DEGREE COURSE

शास्त्री तृतीय वर्ष- पंचम सत्रार्द्ध

भारत "पुनर्जागृति एवं स्व के लिए संघर्ष" (1707 ई. – 1947 ई.)

Course Outcomes

पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों से निम्नलिखित परिणामों की अपेक्षा की जाती है-

CO1: यूरोपीय शक्तियों के आगमन एवं भारतीय राज्यों के प्रतिरोध के बारे में जानेंगे।

CO2: इस काल की अवधि में समाज, राजनीति, धर्म एवं अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में परिवर्तनों को रेखांकित कर सकेंगे।

CO3: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO4: राष्ट्रीय आंदोलन के मूल विचारों एवं उसकी प्रासंगिकता विषयक समझ विकसित होगी।

CO5: क्रांतिकारी, जन-आंदोलन व वैकल्पिक विचारधाराओं के बारे में जानेंगे।

CO6: स्वतंत्रता प्राप्ति और विभाजन से अवगत होंगे।

GE -5, भारत "पुनर्जागृति एवं स्व के लिए संघर्ष" (1707 ई. -1947 ई.)

खण्ड	खण्डनाम	इकाई	इकाई परिचय	कालांश		क्रेडिट-	अंक
				लेक्चर	ट्यूटोरियल	4	
1	यूरोपीय शक्तियों का आगमन और प्रतिरोध	II	अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रभुत्व और क्षेत्रीय विस्तार 18वीं शताब्दी में भारतीय राज्यः मराठा, पंजाब, बंगाल, अवध और मैसूर	14	2	1	25

III जनजातीय प्रतिरोध III प्रथम स्वतंत्रता संग्रामकारण :, प्रकृति, प्रभाव और IV राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में संस्कृत विद्यानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरिवन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, इं. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन I स्वदेशी आंदोलन एवं होमरूल आंदोलन			IV	प्रशासन और अर्थव्यवस्था का औपनिवेशीकरण (प्रशासनिक उपकरण, भूमि राजस्व, व्यापार और बैंकिंग) संत परम्परा का सातत्य, सामाजिक- सांस्कृतिक जागरण और उपनिवेशवाद				
ा। प्रथम स्वतंत्रता संप्रामकारण:, प्रकृति, प्रभाव और नायक IV राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन क्रांतिकारी, जन			I	किसान प्रतिरोध	14	2	1	25
संग्रामकारण :, प्रकृति, प्रभाव और नायक IV राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में संस्कृत वांग्म्य, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरिवन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन			II	जनजातीय प्रतिरोध				
प्रकृति, प्रभाव और नायक IV राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन			III	प्रथम स्वतंत्रता				
ाण्डीय आंदोलन के विकास में संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरिवन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन प्रोहे रहा और	2							
ाण्ड्रीय आंदोलन के विकास में संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन विद्वारी आंदोलन एवं विद्वार विद्व				-				
2 सत्ता का प्रतिरोध विकास में संस्कृत वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरिवन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन								
2 सत्ता का प्रतिरोध वांग्मय, संस्कृत वांग्मय, संस्कृत विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पित्रकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन प्रांतेन्य रात्रेप प्रारोध प्राराध			IV	* * *				
 सत्ता का प्रतिरोध विद्वानों की भूमिका, क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरिवन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) क्रांतिकारी, जन होमरूल आंदोलन 				•				
क्रान्तिकारी पत्र- पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) प्रांतेन स्वीर				_				
पत्रिकाएँ। राष्ट्रीय नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) प्रतिकारी, जन होमरूल आंदोलन								
नायक और उनका संघर्ष: (लोकमान्य तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) होंगेलन एवं 14 2 1 25 होंगेलन और								
तिलक, श्री अरविन्द, महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) होंगिरूल आंदोलन एवं 14 2 1 25				1				
महामना मालवीय, वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) प्रक्रांतिकारी, जन होमरूल आंदोलन				संघर्ष: (लोकमान्य				
वी. डी. सावरकर, डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) प्रांतिकारी, जन होमरूल आंदोलन एवं 14 2 1 25				तिलक, श्री अरविन्द,				
डॉ. हेडगेवार, डॉ. अम्बेडकर) हांतिकारी, जन इंग्रेस्ट और				· ·				
अम्बेडकर) प्रांतिकारी, जन I स्वदेशी आंदोलन एवं 14 2 1 25 होमरूल आंदोलन				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				
क्रांतिकारी, जन होमरूल आंदोलन एवं 14 2 1 25				· ·				
क्रांतिकारा, जन होमरूल आंदोलन			т	,	1.4	2	1	25
2 min and a single state of the	3	क्रांतिकारी, जन आंदोलन और वैकल्पिक विचारधाराएँ	l	·	14	2		25
। । । । । । । । । । । । । । । । । । ।			II	क्रांतिकारी आंदोलन				
			1111					
अवज्ञा और भारत				· ·				

			छोड़ो आंदोलन				
		IV	किसान संघर्ष और				
			श्रमिक वर्ग संघर्ष				
		I	साम्प्रदायिकता की	14	2	1	25
			चुनौतियाँ :मुस्लिम				
			लीग				
			आजाद हिन्द फौज				
		II	और सुभाष चंद्र				
			बोस, नौसेना क्रान्ति				
	स्वतंत्रता की		(आरआईएन)				
4	प्राप्ति और	III	भारतीय संविधान				
	विभाजन		(नेहरू रिपोर्ट, 1935				
			एक्ट, वेवेल योजना,				
			कैबिनेट मिशन,				
			संविधान सभा)				
		IV	भारत विभाजन :				
			विभीषिका और				
			स्वातंत्र्य				
				64		4	100

Suggested Readings:

- (1) A.C Banerjee: The New History of modern India (1707-1947)
- (2) Prof. Kumar Ratnam: स्व के स्वर-साहित्यिक संदर्भ, मोशन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- (3) .R Grover: A new look on Modern Indian History
- (4) C.A. Bayly: An illustrated History of Modern India 1600-1947
- (5) Chabra, G.S.: Advance History of Modern India
- (6) D. Kumar: The Cambridge Economic History of India
- (7) Desai A.R: India's Path of Development
- (8) Desai, A.R.: Social Background of Indian Nationalism
- (9) Dutta, K.K: Social History of Modern India
- (10) Freedenberg, R.E: Land Control and Social Structure in India
- (11) I. Prasad & Subedar: History of Modern India (English or Hindi)
- (12) J.P. Mishra : आधुनिक भारत का इतिहास
- (13) Lal, Sunder : भारत में अंग्रेजी राज
- (14) M.S Jain : आधुनिक भारतवर्ष का इतिहास
- (15) Vinayak Damodar Sawarkar: 1857 का स्वातंत्र्य समर,प्रभात प्रकाशन,2020
- (16) Narendra Shukla: ब्रिटिश राज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2018
- (17) Narendra Shukla: उपनिवेश अभिव्यक्ति और प्रतिबंध, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली,2017

- (18) Dr Arvind Singh Gaur: राष्ट्रवादी विचारक सावरकर , अपेक्स बुक पब्लिशर्स , दिल्ली
- (19) Mishra, B.B: Administrative History of modern India
- (20) Mittal, S.C.: भारत का समाजिक और आर्थिक इतिहास
- (21) P.J. Marshall: The Eighteenth century in Indian History
- (22) R.C Majumdar: British Paramountacy and Indian Renaissance (Part I)
- (23) R.P Dutt: India Today
- (24) Sen Sunil K.: Agrarian Relations in India, 1793-1947
- (25) Shukla R.L: आधुनिक भारत का इतिहास
- (26) Thomas Metealf: Ideologies of the Raj
- (27) R. Jeffery, J Masseloss: From Rebellion to the Republic
- (28) Dutta. K.K: Social History of Modern India
- (29) Desai A.R.: India's Path of Development
- (30) Prasad, Bisheswar: Bondage and Freedom, Vol. 2
- (31) Ayodhya Singh: भारत में मुक्ति संग्राम
- (32) Vallabh Bhai Patel: Correspondence, Writings and Speeches
- (33) D. Agrow: Moderates and Extremist in the Indian National Movement
- (34) M.N. Gupta: History of the revolutionary Movement in India
- (35) Penderal Moon: Divide and Quit
- (36) Sumit Sarkar: आधुनिक भारत (Hindi & English)
- (37) Tara Chand: History of Freedom Movement in India, Vol. 3
- (38) Bipan Chandra and Others: Freedom Struggle
- (39) Gerard Delanty & Krishna Kumar, Nations & Nationalism